प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विद्यार्थियों ने जाना औषधि पौधों एवं वन संपदा का महत्व

पन्तनगर। 14 दिसम्बर 2024। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. अल्का गोयल के मार्गदर्शन में सरस्वती विद्या शिशु मंदिर एवं बाल निलयम जूनियर हाईस्कूल पन्तनगर के कक्षा 6, 7, 8 के कुल 40 विद्यार्थियों एवं 5 शिक्षकों के एक दल का औषधीय पौधौं एवं वन सम्पदा जागरूकता विषयक पर एक–दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। डा. छाया शुक्ला, सह प्राध्यापक के संयोजन में डा. पूनम पी डी एफ, के साथ भ्रमण दल ने मेडिसिनल प्लांट्स रिसर्च डेवलपमेंट सेंटर एवं कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र पन्तनगर में लगे औषधीय पेड़–पौधे जैसे रुद्राक्ष, लटजीरा भृंगराज, ब्राह्मी, सतावर, गिलोय, सर्पगंधा, मुलेठी, तेजपत्ता, सफेद एवं लाल चंदन, बांस, खेरा, यूकेलिप्टस इत्यादि के उपयोग एवं लाभ, पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकी तंत्र एवं उनके महत्वपूर्ण योगदान के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। डा. छाया शुक्ला ने बताया कि जंगल के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए जैव विविधता के संरक्षण को बनाए रखने की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने प्रकृति में पनप रहे औषधीय पौधों एवं जंगल की विविधता को नजदीक से देखा एवं समझा और इसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भविष्य में पर्यावरण को संरक्षित रखने का प्रण लिया। यह शैक्षणिक ब्राह्मण इस्सर के पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के अंतर्गत गतिमान प्रोजेक्ट हैडिंग टॉर्च आफ प्लैनेट अर्थ टू स्कूल एंड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट उत्तराखंड के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में औषधीय पौधों के बारे में विस्तृत जानकारी केंद्र प्रभारी डा. वी.पी. सिंह के निर्देशन में उनके टेक्निकल असिस्टेंट श्री जय गोविंद द्वारा प्रदान की गई। वन संपदा के बारे में भ्रमण दल को विस्तृत जानकारी कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र के श्री चंदोला द्वारा बताई गई तथा भ्रमण दल ने जंगल वॉक कर वन सम्पदा के सानिध्य में अत्यंत उत्साहित एवं प्रसन्नता का अनुभव किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ अधिकारीगण।